ये अव्यक्त इशारे

संस्कार मिलन की रास करो

17-04-2024

कोई भी माला जब बनाते हैं तो एक दाना दूसरे दाने से मिला हुआ रहता है। वैजयन्ती माला में भी चाहे कोई 108 वां नम्बर हो लेकिन दाना दाने से मिला होता है। तो सभी को यह महसूसता आये कि यह तो माला के समान पिरोये हुए मणके हैं। वैरायटी संस्कार होते भी समीप दिखाई दें।

Perform the dance of harmonising sanskars.

Whenever you prepare a rosary, each bead remains connected to the next bead. In the rosary of victory too, even the last bead is connected to the other beads. Therefore, let everyone feel that they are like beads threaded in a rosary. Whilst having a variety of sanskars, let the closeness be visible.